दृष्टि The Vision

Mentorship Program
Nehru Vihar

इतिहास
(वैकल्पिक विषय)
टेस्ट-3

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF
OPT-24 **H-2403**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Arunkumar _____ **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): HINDI _____ **Reg. Number:** _____

Center & Date: 26/July/2024 _____ **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: S417292 _____

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेज़ी भाषा में मुद्रित हैं।
परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।
प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशत: दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
There are EIGHT questions divided in TWO SECTIONS and printed both in HINDI & ENGLISH.
Candidate has to attempt FIVE questions in all.
Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any THREE are to be attempted choosing at least ONE from each section.
The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.
Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1							5						
2							6						
3							7						
4							8						
						सकल योग (Grand Total)							

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - क / SECTION - A

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: **10 × 5 = 50**

Answer the following in about 150 words each:

(a) कृषक एवं जनजातीय आंदोलनों ने एक निश्चित स्तर की राजनीतिक और सामाजिक चेतना को प्रदर्शित किया।

Peasant and tribal movements showed a certain level of political and social consciousness.

आधुनिक भारत के इतिहास लेखन में कृषक व जनजातीय आंदोलनों को, औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध उनकी प्रतिक्रिया एवं राष्ट्रवादी तस्वीर पेश करती है।

रामचन्द्रगुहा के शब्दों में जनजातीय व कृषक आंदोलनों की निरंतर श्रृंखला ने ब्रिटिश साम्राज्य को परेशान किया तथा राष्ट्रीय मध्यमवर्गीय बुद्धिजीवियों को मध्य प्रेरणा की भावना जगाई।

कृषक आंदोलनों ने राजनीतिक और सामाजिक चेतना प्रदर्शित की —

1) उन्होंने साम्राज्यवादी शोषणकारी चरित्र को उजागर किया (उदा० नील विद्रोह)

2). आदिवासियों ने जमींदारों, बाहरी शोषणकर्ताओं (दिकुओं), अंग्रेजों का प्रतिरोध किया तथा सामुदायिकता प्रदर्शित की (उदा० - संथाल विद्रोह, मुण्डा विद्रोह)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

3). पावना विद्रोह में कृषकों ने जमींदारों तथा अंग्रेज संरक्षित वर्ग का शोषणकारी चरित्र उजागर किया तथा इन तत्वों का सामाजिक बहिष्कार किया।

4) 20वीं सदी के कृषक आंदोलनों ने राजनैतिकता चेतना दर्शाते हुए राष्ट्रीय आंदोलन का समर्थन किया तथा कई कृषक संघ बनाए

जैसे
- अवध किसान सभा
- अखिल भारतीय कृषक सभा
- आंध्र कृषक संघ

5) जनजातीय समाज ने सामाजिक चेतना प्रदर्शित करते हुए, ईसाई मिशनरियों का बहिष्कार किया
(उदा० बिरसा मुंडा का उलगुलान विद्रोह।)

सीमाएँ
- क्षेत्रीय स्वरूप
- सीमित प्रसार
- स्थानीय मुद्दे
- राष्ट्रीय चेतना का अभाव

अतः राष्ट्रीय चेतना के प्रसार में 19वीं व 20वीं सदी के कृषक आंदोलनों ने प्रमुख भूमिका निभाई तथा राष्ट्रीय आंदोलन को समर्थन दिया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) "भारी आर्थिक क्षति के बावजूद सालबाई की संधि ब्रिटिश आधिपत्य के इतिहास में युगांतकारी सिद्ध हुईं।" कथन का विश्लेषण कीजिये।

"The Treaty of Salbai proved to be a landmark in the history of British suzerainty, despite heavy economic losses." Analyze the statement.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सालबाई की संधि द्वितीय आंग्लमराठा युद्ध का परिणाम थी जिसने ब्रिटिश हितों को सर्वोपरि रखा। हालांकि इस संधि से मराठों को भी फायदा हुआ।

सालबाई संधि की विशेषताएं

- मैसूर से छीने गए क्षेत्र गुंटूर, अर्काट पर मराठों का नियंत्रण।
- मैसूर राज्य व हैदराबाद से लूटे गए धन का आधा भाग मराठों को मिला।
- अंग्रेजों के लिए दक्षिण में मराठा शक्ति के रूप में प्रमुख सहयोगी की प्राप्ति
- मराठा जो अपनी क्षमता से अंग्रेजों का प्रतिरोध कर सकते थे अंग्रेजों ने उन्हें बिना आर्थिक संघर्ष के अपना सहयोगी बना लिया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अंग्रेजों ने मराठाओं को हैदराबाद व मैसूर के शासन के गुटबंदी से दूर रखा।

↳ अंग्रेज एक-एक कर इन राज्यों को आसानी से जीत सके

सालबाई संधि एक युगांतकारी घटना के रूप में

- दक्षिण की तरफ प्रसार में, बड़ी शक्तियों को जिनमें (स्वयं मराठा, मैसूर, हैदराबाद, फ्रांस) को शक्तिहीन बना दिया
- मराठा एकता में फूट
  ↳ सिंधिया व होल्कर अंग्रेज समर्थक भक्त बन गए → इन्होंने सहायक संधि पर हस्ताक्षर किये।

अतः सालबाई की संधि अंग्रेजों की साम्राज्यवादी विस्तार की चतुर रणनीति का ही परिणाम थी। मराठा इतिहास के लेखक (A.R देसाई) इसे मराठों पर अंग्रेजों की शांतिपूर्ण विजय के रूप में देखते हैं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) क्या आप इस बात से सहमत हैं कि 1773 का रेग्युलेटिंग एक्ट व्यापक रूप से और सफलतापूर्वक भारत में कंपनी और केंद्रीकृत प्रशासन पर संसदीय नियंत्रण की दिशा में पहला कदम था?

Do you agree that the Regulating Act of 1773 comprehensively and successfully marked the first step towards parliamentary control over the company and centralised administration in India?

ब्रिटिश संसद पर उपयोगितावादियों तथा एडम स्मिथ के अनुयायी जो मुक्त व्यापार को चाहते थे। कंपनी के कर्मचारियों के भ्रष्टाचार तथा अनियमितताओं को नियंत्रित करने हेतु संसद पर कंपनी को नियंत्रित करने के लिए दबाव डाला गया। परिणामस्वरूप 1773 रेग्युलेटिंग एक्ट पारित किया गया था।

1773 रेग्युलेटिंग एक्ट संसदीय पार्लियामेंट का पहला कदम —

1) कंपनी के कर्मचारियों में भ्रष्टाचार रोकने हेतु लाया गया
↳ कंपनी कर्मचारियों द्वारा उपहार, रिश्वत, ग्रांट लेने पर प्रतिबंध

2) बोर्ड ऑफ कंट्रोल बनाया गया
↳ कंपनी कर्मचारियों की नियुक्ति पर नियंत्रण

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

3). कंपनी अपना आर्थिक विवरण बोर्ड ऑफ कंट्रोल के समक्ष प्रस्तुत करेगी।

4) बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स

- आनियमितताओं को नियंत्रण हेतु जिम्मेदार
- कंपनी द्वारा इंग्लैण्ड से धन उधार लिया गया था जिससे संसदीय नियंत्रण बढ़ा।

अतः ईस्ट इंडिया कंपनी उस समय ब्रिटेन के साम्राज्यवादी, औपनिवेशिक व्यापार की प्रतिनिधि थी। जिसपर नियंत्रण रखने हेतु ब्रिटिश संसद द्वारा 1773 का एक्ट लाया गया था ताकि साम्राज्य की छवि को साफ बनाया जाए।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(d) भारत में सिविल सेवाओं के इतिहास पर चर्चा कीजिये।

Discuss the history of Civil services in India.

प्लासी युद्ध विजय के बाद ब्रिटिशर्स को साम्राज्य विस्तार हेतु कुछ स्थानीय अधिकारियों की जरूरत हुई। इसी संदर्भ में एक बक्सर युद्ध के पश्चात बंगाल, बिहार, उड़ीसा की दीवानी प्राप्त हुई तो राजस्व वसूली हेतु अधिकारियों की भर्ती की गई। ब्रिटिश सिविल सेवाओं का विस्तार लार्ड कॉर्नवालिस द्वारा इसी संदर्भ में किया गया था।

— 1833 से क्रमबद्ध सिविल सेवाओं की प्रक्रिया आरंभ → इंग्लैंड में भर्ती परीक्षा

— 1853 में सिविल सेवा में भारतीयों को लेने की प्रक्रिया प्रारंभ हुई

→ 1878 — सुरेंद्रनाथ बनर्जी प्रथम सिविल सेवक

— 1921 एचिसन समिति का गठन

↳ कांग्रेस ने भारतीयों की भर्ती हेतु सिविल सेवाओं का विस्तार की मांग की तथा परीक्षा आयोजन भारत में किए जाने की मांग

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ 1925 में इलाहाबाद में सिविल सेवा परीक्षा का आयोजन 1919 के गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट के तहत की गई थी जिसमें लोकसेवा आयोग के गठन का प्रावधान था।

→ 1941 तक भारतीयों की संख्या कि अंग्रेजी अधिकारियों से अधिक हो गई थी

स्वतंत्रता पश्चात सेवाओं को बनाये रखे गया तथा सरदार पटेल ने इनको राष्ट्रीय एकीकरण की प्रमुख इकाई माना।

अतः भारतीय ब्रिटिश सेवा का इस्पाती ढांचा सिविल सेवा का निर्माण ब्रिटिश हितों की रक्षा व पूर्ति हेतु किया गया था जो राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान उनको बचाने में सहायता करती रही। किंतु 1942 के पश्चात इनका चरित्र राष्ट्रवादी हो गया था।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) आधुनिक शिक्षा की शुरुआत ने ब्रिटिश शासन के दौरान भारत के बौद्धिक जीवन में क्रांति ला दी। विश्लेषण कीजिये।

The introduction of modern education revolutionized the intellectual life of India during the British rule. Analyse.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जुडिथ ब्राउन ने ब्रिटिश शासन के दौरान शिक्षा की प्रगति पर, साम्राज्य की प्रशंसा की वहीं आशीर्वादी व एरिक स्टोक्स जैसे इतिहासकारों ने आधुनिक शिक्षा की शुरुआत ब्रिटिश हितों की पूर्ति के रूप में देखा।

1813 के एक्ट द्वारा सीमित स्तर पर शिक्षा की शुरुआत की थी। 1833 के एक्ट द्वारा आंग्ल-प्राच्यवादी विवाद को समाधान स्वरूप देश में अंग्रेजी शिक्षा को प्रोत्साहन दिया जिसका भारतीय समाज पर व्यापक प्रभाव हुआ।

शिक्षा का स्वरूप
- → शिक्षा की पहुँच मध्यमवर्ग व उच्च वर्ग तक
- → शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी
- → शिक्षा व्यावसायिक व व्यापारिक हितों की पूर्ति हेतु
- → डाउनवार्ड विप्रेषण सिद्धांत का प्रयोग
- → निम्न वर्ग शिक्षा से दूर

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आधुनिक शिक्षा बौद्धिक क्रांति के रूप

1) बौद्धिक ज्ञान का प्रसार
↓
पाश्चात्य दर्शन (बेंथम, मार्क्स, वेल्थम) का प्रभाव

2) फ्रांस की क्रांति के आदर्शों व विचारों का प्रसार

3). अंग्रेजी ज्ञान प्राप्ति से भारतीय बौद्धिक ज्ञान से जुड़े

4). आधुनिक ज्ञान से प्रभावित होकर मध्यमवर्गीय बुद्धिजीवी ने सामाजिक-धार्मिक आंदोलन को गति दी

5). राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान व्यापक जागरूकता व राष्ट्रीय चेतना का प्रसार

आलोचना : 1) शिक्षा उच्च मध्यमवर्ग तक
2) शिक्षित समाज — अंग्रेजी राजभक्त
↓
प्रारंभिक राष्ट्रीय आंदोलनों से दूर
(उदा० 1857 में ~~वि~~ तटस्थ)
3). महिला शिक्षा की उपेक्षा
4). अंग्रेजी शिक्षा ने सामाजिक विभाजन को बढ़ावा दिया

अतः आधुनिक शिक्षा का विकास साम्राज्यवादी हितों की पूर्ति हेतु किया गया था। कालांतर में राष्ट्रवादियों ने इसी शिक्षा व बौद्धिकता का उपयोग कर आजादी की लड़ाई लड़ी

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

2. (a) 19वीं शताब्दी में भारत में आधुनिक शिक्षा नीतियों के विकास का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। 20

Critically examine the evolution of modern education policies in India in the 19th century. 20

आशीष नंदी भारत में शिक्षा के विकास को औपनिवेशिक हितों से जोड़कर देखते हैं।

भारत में आधुनिक शिक्षा की शुरुआत 1813 के एक्ट द्वारा की गई थी।

कारण

- ब्रिटिश कंपनी के लिए सुयोग्य अधिकारियों की भर्ती हेतु
- ईसाईयत के प्रसार हेतु उन्हें शिक्षित करना
- देशी कानूनों को समझने तथा शासन संचालन में मध्यस्थों की जरूरत हेतु
- श्वेत आदमी का बोझ
  - रुडयार्ड किपलिंग का रोमन डिस्पोरियम

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

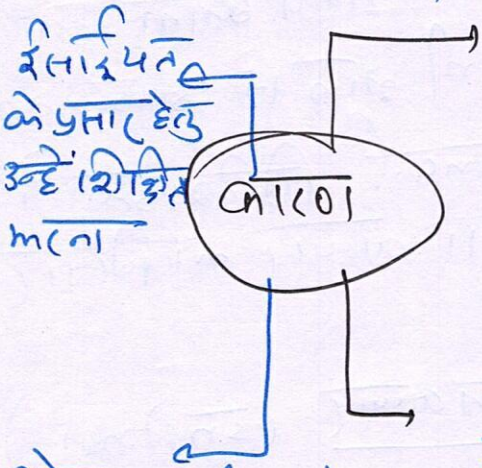

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

उद्देश्य

- ब्रिटिश साम्राज्य का आधार का विस्तार व समर्थन हेतु (उदा- 1857 में शिक्षित वर्ग)
- रंग से भारतीय, दिमाग से अंग्रेजी (उदा मैकाले का शिक्षा मिनट)
- बर्बर लोगों को सभ्य बनाना तथा उन्हें पाश्चिमी ज्ञान से अवगत कराना
- शिक्षित मध्यमवर्ग ब्रिटिश उत्पादों का उपभोक्ता बाजार का विस्तार होगा (उदा - मुक्त व्यापार एडम स्मिथ)

शिक्षा का प्रारूप

- ~~विज्ञान~~
- शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी
- विषय, विज्ञान, पाश्चात्य दर्शन
- उच्च मध्यमवर्ग की शिक्षा का प्रावधान (उदा - डाउनवार्ड फिल्टरेशन सिद्धांत)
- शिक्षा शहरों में

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आधुनिक शिक्षा की सीमायें

- निम्न शिक्षा का खर्च (उदा० 1813 एक्ट में 1 लाख रुपये शिक्षा हेतु)
- सीमित वर्ग तक शिक्षा (ex - मध्यम बुद्धिजीवी वर्ग)
- शिक्षा बड़े शहरों में (उदा० ~~बम्बई~~, इलाहबाद, कोलकाता, मद्रास)
- ग्रामीण शिक्षा की उपेक्षा
- भारतीय ज्ञान की उपेक्षा (उदा० प्राच्यवादियों की हार)
- महिला शिक्षा की अभाव

आधुनिक शिक्षा के परिणाम

सकारात्मक	नकारात्मक
आधुनिक शिक्षित वर्ग का उदय	→ सामाजिक विभाजन
राष्ट्रीय चेतना का प्रसार	→ ग्रामीण समाज की उपेक्षा (92% अशिक्षित)
सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलनों की नींव	→ अंग्रेजी शिक्षा द्वारा औपनिवेशवादी मानसिकता

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

अतः विपिन चन्द्र के शब्दों में आधुनिक शिक्षा की शुरुआत ब्रिटिश हितों को पोषित करने के लिए की गई थी किंतु शिक्षित भारतीयों ने अंग्रेजी शिक्षा के हथौड़े से ही रोमन विक्टोरियन प्रभाव साम्राज्यवाद के प्रभाव को तोड़ा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) उन्नीसवीं सदी में भारतीय पुनर्जागरण और राष्ट्रीय अस्मिता के उद्भव के बीच संबंधों का परीक्षण कीजिये। 15

Examine the linkages between the nineteenth century's Indian Renaissance and the emergence of national identity. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

19 वीं सदी में पुनर्जागरण आंदोलन भारतीय बुद्धिजीवियों के सामाजिक प्रयासों का परिणाम था। इतिहासकार बिपिन चंद्र के शब्दों में "यह आंदोलन सोई हुई भारतीयता को जगाने का प्रयास था।"

भारतीय पुनर्जागरण का स्वरूप

- सुधारवादी
  - धर्म सुधार (ब्रह्मसमाज)
  - सामाजिक सुधार (ex- विधवा विवाह, सतीप्रथा उन्मूलन, अस्पृश्यता का उन्मूलन)
- पुनरुत्थानवादी (ex- आर्यसमाज, वहाबी आंदोलन)
- विद्रोही स्वरूप
  - शहरी (क्रांतिकारी)
  - गाँव → कृषक विद्रोह
  - जनजातीय आंदोलन

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पुनर्जागरण वादी आंदोलनों ने राष्ट्रीय अस्मिता को जगाया तथा उसे गौरवान्वित किया —

(1) श्वेत जाति का भार तथा सभ्यता का प्रभार जैसे अंग्रेजी भ्रम को तोड़ा तथा भारतीय सभ्यता व संस्कृति को सुधारवादी रूप में प्रस्तुत किया

(2) सामाजिक जागरण ने, राष्ट्रीय एकता राष्ट्रीय चेतना को जगाया

(3) राष्ट्रवाद का प्रसार किया

(4) ब्रिटिश शासन के शोषण मारीचिका को उजागर किया

(5) ब्रिटिशर्स से लड़ने हेतु देशवासियों के नैतिक चरित्र को उजागर किया

(6) भारतीय संस्कृति का गौरवगान करके ब्रिटिश सर्वोच्चता का मिथक तोड़ा

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

नकारात्मक

सांस्कृतिक पहलुओं पर और धर्म, पश्चिमी विज्ञान तथा वैश्विक ज्ञान से आक्रान्त हिंदूवादी संस्कृति का उत्थान से संप्रदायवाद को बढ़ावा मिला।

धार्मिक ~~[illegible]~~ कट्टरवाद को बढ़ावा (उदा० आर्य समाज का घरवापसी आंदोलन)

अतः भारतीय पुनर्जागरण आंदोलन भारतीय समाज के नैतिक चरित्र के उत्थान का प्रयास था।

बिपिन चन्द्र "मेकर्स ऑफ मॉडर्न इंडिया" में सामाजिक जागरण आंदोलनों को राष्ट्रवादी भावना तथा आजादी की चेतना को प्रसार के रूप में देखते हैं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) प्लासी में बोए गए ब्रिटिश साम्राज्यवाद के बीज बक्सर के युद्ध के बाद संवर्द्धित हुए। परीक्षण कीजिये। 15

The seeds of British imperialism sown at Plassey flowered after the Battle of Buxar. Examine. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

प्लासी का युद्ध भारतीय आधुनिक इतिहास की युगांतकारी घटना थी जिसने भारतीय गुलामी का मार्ग प्रशस्त किया।

सुरेन्द्रनाथ बनर्जी के शब्दों में "प्लासी युद्ध के बाद भारत में शाश्वत गुलामी की काली रात प्रारंभ हुई।"

प्लासी का युद्ध अंग्रेजों द्वारा छल प्रपंच अपमान का मंच था जिसे उन्होंने अपनी जीत में बदला। प्लासी के युद्ध ने भारतीय अधिकारियों की अक्षमता तथा सेना के शासन की कमजोरी को उजागर कर दिया जिसे अंग्रेजों ने बक्सर युद्ध में बखूबी इस्तेमाल किया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

~~निष्कर्ष~~

अतः बक्सर के युद्ध में अंग्रेजों के जीतने का कारण लेना, व्यक्तिगत राज्यवादिता, भ्रष्ट अधिकारी थी जो बक्सर युद्ध को अंग्रेजों ने अपने युद्ध कौशल से ही जीता था।

बक्सर विजय अंग्रेजी साम्राज्य विस्तार को प्रथम मुहर थी। अब अंग्रेजों को यह विश्वास हो गया था कि वे भारत में अपने दम पर बने रह सकते हैं।

बक्सर युद्ध में ब्रिटिश साम्राज्यवाद के बीज

- राज्य के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप की नीति सफल हुई
- सैनिक व अधिकारियों का भ्रष्टाचार उजागर हुआ
- शासकों की लालची महत्वाकांक्षा उजागर

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

बक्सर ~~प्लासी~~ विजय में वीरों की उपयुक्तता

- अंग्रेज अपने दम पर नवाब मीरकासिम, शुजाउद्दौला, मुगलशासक के गठबंधन को हराने में सफल
- अंग्रेज भारत की भूमि पर युद्ध का खर्चा निकालने में सक्षम

अतः प्लासी विजय षड्यंत्रों का परिणाम थी तो बक्सर विजय अंग्रेजों की सैनिक योग्यता तथा राजनैतिक कूटनीति का परिणाम थी। इसी विजय ने भारत की गुलामी पर मुहर लगा दी। इसी संदर्भ में इतिहासकार एरिक स्टोक्स ने कहा था ब्रिटिश विजय संयोगवश थी भारतीयों ने साम्राज्य को थाली में सजाकर दिया था।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

3. (a) कर्नाटक युद्धों में ब्रिटिश विजय के कारणों का सविस्तार वर्णन कीजिये। 20

Enumerate the causes of British triumph in carnatic wars. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) स्थायी बंदोबस्त ब्रिटिश शासन की सभी चुनौतियों के बावजूद शांति सुनिश्चित करने के लिये एक कदम था। 15

Permanent settlement was a step to ensure tranquility to the British regime despite all its challenges. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) जनमत को संगठित करने के साथ, पत्रकारिता ने राष्ट्रवादी विचारधारा के प्रचार में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। चर्चा कीजिये। 15

With the contribution to the consolidation of public opinion, the press became the chief instrument in the propagation of nationalist ideology. Discuss. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

4. (a) राजा राममोहन राय या ईश्वर चंद्र विद्यासागर द्वारा शुरू किये गए सामाजिक और धार्मिक आंदोलन नए भारतीय मध्यम वर्ग और पश्चिम के बीच विचारों के पारस्परिक अंत:क्रिया के परिणाम थे। परीक्षण कीजिये। 20

The social and religious movements launched by Ram Mohan or Iswar Chandra Vidyasagar emerged from the interaction between the new Indian middle class and the West. examine. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) ब्रिटिश औपनिवेशिक काल के दौरान कृषि के व्यावसायीकरण ने भारतीय अर्थव्यवस्था और इसकी ग्रामीण आबादी को किस प्रकार प्रभावित किया? 15

How did the commercialisation of agriculture during British rule affect the Indian economy and its rural populace? 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) औपनिवेशिक काल में गैर-औद्योगिकीकरण का रोज़गार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। टिप्पणी कीजिये। 15

De-industrialisation had an adverse impact on employment in the colonial period. Comment. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - ख / SECTION - B

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: 10 × 5 = 50

Answer the following in about 150 words each:

(a) औपनिवेशिक भारत में राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम पर जनजातीय आंदोलनों के प्रभाव का आकलन कीजिये।

Assess the Impact of Tribal Movements in Colonial India on the National Freedom Struggle.

रामचन्द्र गुहा ने अपने उपाश्रित इतिहासलेखन में जनजातीय आंदोलनों की भूमिका का उल्लेख ~~राष्ट्री~~ राष्ट्रवादी, सामाजिक चेतना के प्रसार के वाहक के रूप में किया है।

राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम पर आदिवासी आंदोलनों का प्रभाव

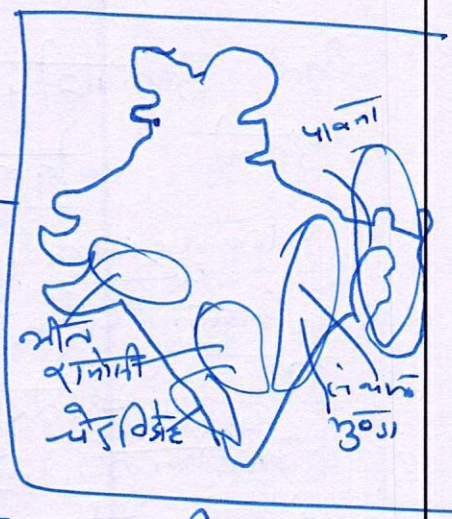

1) 19वीं सदी के आंदोलन तथा उससे पूर्व के आंदोलनों का स्वरूप स्थानीय प्रकृति का था। तथा इसका प्रसार भी सीमित था अतः राष्ट्रीय चेतना पर व्यापक प्रभाव नहीं पड़ा
(उदा० - संथाल विद्रोह, वीरभूम विद्रोह, मुंडा विद्रोह आदि

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

2) 19वीं सदी के अद्धांश के पश्चात तथा 20वीं सदी के आंदोलनों पर राष्ट्रीय चेतना का प्रभाव देखा गया। इन आंदोलनकारियों ने भी राष्ट्रवादी नेताओं को प्रभावित किया।

उदाह. खूंटकटी आंदोलन, बलवंत फड़के का आंदोलन, दक्षिण भारत में पुनरुत्थानवादी आंदोलन

इसका प्रभाव भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान देखा गया।

अतः जनजातीय समुदाय, ब्रिटिश हस्तक्षेप द्वारा उनकी जीवन संस्कृति तथा आजीविका, जल जंगल जमीन पर कब्जे के विरुद्ध अपने परम्परागत हथियारों से आक्रामक प्रतिरोध कर रहे थे। इनके आंदोलनकारी चरित्र ने कालांतर में क्रांतिकारी आंदोलनों व नेताओं को प्रेरित किया।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(b) पंजाब का विलय महाराजा रणजीत सिंह के निधन के बाद शुरू की गई व्यापक उत्तर-पश्चिम सीमा नीति का एक घटक था।
Annexation of Punjab was a component of an extensive north-west frontier policy initiated following Maharaja Ranjit Singh's demise.

पंजाब पर अंग्रेजों ने तबतक बफर स्टेट के रूप में बनाए रखा जबतक रूसी खतरा अफगान के रास्ते उन्हें डराता रहा। अंग्रेजों ने पंजाब मे अहस्तक्षेप की नीति अपनाई थी तथा रणजीत सिंह के सहारे अफगानिस्तान पर नियंत्रण तथा उ० पश्चिमी सीमा पर नियंत्रण बनाए रखा गया।

पंजाब विलय

1) पंजाब विलय अंग्रेजों की विस्तारवादी नीति का परिणाम था।
2) रणजीत सिंह की मृत्यु के पश्चात् कमजोर उत्तराधिकारियों ने अदूरदर्शिता दर्शायी जिसने विलय की प्रक्रिया को तीव्र कर दिया। पंजाब के उत्तराधिकारी दिलीप सिंह तथा रानी अपने उत्तराधिकारी को ताजपोशी दिलाने हेतु आपस में लड़ रहे थे जिसका फायदा अंग्रेजों ने उठाया।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

3). रूस का खतरा टल जाने तथा रूस को तुर्की के युद्ध में लगा देख अंग्रेजों ने पंजाब पर कब्जा कर लिया तथा 1832 की अमृतसर संधि के उल्लंघन का आरोप लगाकर बालक दिलीप सिंह को पेंशन याफ्ता बनाकर इंग्लैंड भेज दिया।

अतः रणजीत सिंह के पश्चात अयोग्य उत्तराधिकारियों तथा अंग्रेजों की विस्तारवादी रणनीति के कारण से पंजाब का विलय साम्राज्य में कर लिया गया।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) दक्षिण भारत में 'रैयतवारी बंदोबस्त' की मुख्य विशेषताओं की विवेचना कीजिये।

Discuss the main features of the 'Ryotwari Settlement' in South India.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

रैयतवाड़ी बंदोबस्त दक्षिणी प्रांतों मद्रास, बरार में लागू किया गया था। 1792 में ग्रांट डफ तथा 1807-09 में मुनरो तथा एल्फिन्स्टन रीड ने रैयतवाड़ी बंदोबस्त लागू किया।

रैयतवाड़ी बंदोबस्त की विशेषताएं

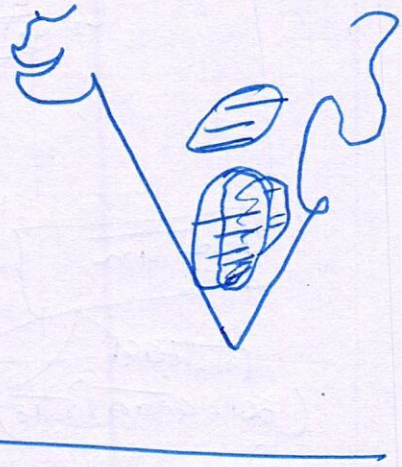

① विस्तार → साम्राज्य के 51% भूभाग पर लागू

② काल – 20-30 – वर्षों हेतु

③ किसानों से साथ प्रत्यक्ष रूप से संबंध स्थापित गए तथा कृषकों को पट्टे वितरित किये गए

④ राजस्व संग्रह, बिचौलियों (मध्यस्थों) की जगह सीधे कंपनी द्वारा

⑤ आपदा, अकाल, तथा कम उत्पादकता के दौरान लचीलापन व लगान से छूट

⑥ अधिशेष उत्पादन का एक हिस्सा कृषकों को प्राप्त

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

उद्देश्य
- बिचौलियों का अंत करना
- अधिशेष पर कंपनी का कब्जा
- स्थायी बंदोबस्त की कमियों को दूर करना
- मध्य व दक्षिण भारत में उत्तर की अपेक्षा छोटे कृषक तथा उन्हें एकत्रित कर अधिक व उत्पादक बनाना

मूल्यांकन
- कंपनी को व्यापक फायदा हुआ
- कृषि पर प्रभाव
  - कृषि का वाणिज्यीकरण हुआ
  - खेतों का आकार बढ़ा
  - नई फसलों का उत्पादन
- कृषक
  - कर का बोझ
  - कर्ज, बकाया, तथा ऋणदाताओं साहूकारों का शोषण बढ़ा
  - विद्रोह (उदा० दक्कन विद्रोह)

इतिहास (बिल्डेन हॉल) का अध्ययन बताता है कि साम्राज्य के रैय्यत से ज्यादा मैसूर क्षेत्र का किसान अधिक समृद्ध व खुशहाल था।

अतः रैय्यतवाड़ी व्यवस्था ब्रिटिश हितों की पूर्ति का अगला चरण थी। जिसने कृषकों का शोषण बढ़ाया तथा आधिकाधिक राजस्व वसूलकर धन का प्रयोग साम्राज्य विस्तार हेतु किया गया।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन में हस्तशिल्प उद्योगों के ह्रास के परिणामों की चर्चा कीजिये।
Consequences of the ruin of handicraft industries under the rule of the East India Company.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हस्तशिल्प उद्योग प्रारंभिक ग्रामीण भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ थे जो गांवों को आत्म निर्भर बनाए हुए थे। कंपनी की औपनिवेशिक नीतियों ने इस उद्योग को पतन का मार्ग प्रशस्त किया। कॉर्नवालिस ने स्वयं भी बंगाल के बुनकरों की दशा पर लिखा था
– "सम्पूर्ण बंगाल में बुनकरों की हड्डियां बिखरी पड़ी हैं बंगाल में अब बनकर ही रहते हैं।"

ईस्ट कंपनी द्वारा हस्तशिल्प उद्योगों के ह्रास के परिणाम

आर्थिक – ग्रामीण आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था अब गरीबी की ओर बढ़ी
– भारतीय बुनकर या तो मजदूर बन गए या कृषक बन गए
कृषि पर दबाव बढ़ा
⇓
प्रच्छन्न बेरोजगारी ⇒ गरीबी
⇓
अकाल व भुखमरी
- कपड़ों का उत्पादक व निर्यातक देश → अब आयातित बन गया → (85% ब्रिटिश वस्त्र भारत के बाजारों में)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

- कपड़ा उत्पादक देश अब कच्चे माल का निर्यातक बन गया

सामाजिक प्रभाव
- बेरोजगारी में वृद्धि
- कृषकों की आय में कमी
- प्रवासन व संघर्ष को बढ़ावा
- अकाल – (1770 के अकाल में बंगाल में 30 लाख लोग मरे)

अतः कार्लमार्क्स के शब्दों में कहें तो "यह अंग्रेज घुसपैठिया ही था जिसने आत्मनिर्भर भारत को पंगु बना दिया तथा उसकी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भेद दिया।"

इतिहासकार अमिय बागची ने इसे ईस्ट इण्डिया कंपनी की खुली व निर्लज्ज लूट कहा है जिसने भावात्मक प्रतिस्पर्धा को जन्म देकर भारतीय उद्योगों का विउपनिवेशीकरण किया तथा यहाँ के संसाधनों ने इंग्लैण्ड की औद्योगिक क्रांति को वित्तपोषित किया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) वर्ष 1821 और वर्ष 1929 के बीच भारत में सामाजिक सुधार और सामाजिक परिवर्तन की मुख्य प्रवृत्तियों का परीक्षण कीजिये।

Examine the main trends in social reform and social change in India between 1829 and 1929.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

शेखर बंद्योपध्याय के शब्दों में 1821 तथा 1929 के बीच के सामाजिक सुधार आंदोलन साम्राज्यवादी प्रतिक्रिया के परिणामस्वरूप राष्ट्रीय जागरण की लहर थी। बिपिन चन्द्र "मेकर्स ऑफ मॉडर्न इंडिया" में सामाजिक सुधार आंदोलन तथा प्रवृत्तियों को शिक्षित मध्यमवर्गीय बुद्धिजीवियों द्वारा अपने राष्ट्र के अस्तित्व को बचाने के रूप में देखते थे।

सामाजिक सुधार

→ 1) महिलाओं के अधिकारों में वृद्धि तथा महिलाओं के विरुद्ध व्याप्त बुराईयों को दूर करने का प्रयास
(उदा० सतीप्रथा, बालविवाह, विधवाहत्या, कन्याहत्या आदि)

→ सामाजिक सुधारों का मूल पहलू वर्णव्यवस्था तथा जातिगत भेदभावों पर कुठाराघात करना था।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

3). सामाजिक सुधार आंदोलनों की नींव प्रबुद्ध भारतीय चिंतनों राजा राममोहनराय, विद्यासागर, डी.के कर्वे, वीरेश मलाबारी, देवेन्द्र नाथ टैगोर, केशवचंद्र सेन इत्यादि की द्वारा रखी गई थी।

4). सामाजिक सुधारों हेतु ब्रिटिश शासन को आधुनिक कानूनों का सहारा लिया गया था

(उदा॰ विलियम बैंटिक द्वारा सतीप्रथा उन्मूलन
1856 का डलहौजी द्वारा विधवा पुनर्विवाह एक्ट
1848 में चार्ल्स मेटकाफ द्वारा दासप्रथा का अंत)

सामाजिक सुधारों की प्रवृत्तियां

- मध्यमवर्गीय चरित्र
- सीमित प्रभाव → अधिकांशत: बड़े शहरों में ही गतिविधियां
- रजवाड़ों तथा रियासतों में असर नहीं
- रूढ़िवादी नेताओं द्वारा विरोध
(उदा॰ बालगंगाधर द्वारा विधवा विवाह विरोध)
- निम्नवर्गीय स्त्री व पुरुषों का उत्थान कम

अत: सामाजिक सुधार आंदोलनों ने भारतीय समाज को आधुनिक बनाया तथा उसके गौरव को जगाया जिसने आगे राष्ट्रवाद का प्रसार हुआ।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

6. (a) क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि वर्ष 1857 का विद्रोह अभिजात्यवादी प्रकृति का था? अपने उत्तर का औचित्य सिद्ध कीजिये। 20

Do you agree with the view that the Revolt of 1857 was elitist in nature? Justify your answer. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) "शांति की जीतें युद्ध से कम प्रसिद्ध नहीं थीं।" लॉर्ड विलियम बेंटिक के संदर्भ में इस कथन का परीक्षण कीजिये। 15

"Peace had her victories no less renowned than war." Examine this statement with reference to Lord William Bentinck. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) बंगाल में स्वदेशी आंदोलन एक आत्म-संवृद्धि आंदोलन के रूप में विकसित हुआ। विश्लेषण कीजिये। 15

The Swadeshi Movement in Bengal developed into a self-strengthening movement. Analyze. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

7. (a) भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में महात्मा गांधी द्वारा समायोजित व्यापक जनाधार के लिये योगदान देने वाले सामाजिक-राजनीतिक कारकों का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। गांधीजी की कार्यप्रणाली और विचारधारा पूर्व की राष्ट्रवादी रणनीतियों से किस प्रकार भिन्न थीं? 20

Critically analyze the socio-political factors that contributed to Mahatma Gandhi's mass appeal in the Indian National Movement. How did Gandhi's methodologies and ideologies mark a departure from the earlier nationalist strategies? 20

20वीं सदी के प्रारंभिक द्वितीय दशक में गांधी नामक नेता ने राष्ट्रीय आंदोलन की कमान संभाल ली थी। इस नेता की रणनीति ने इन आंदोलनों को गांधीवादी आंदोलन बना दिया था। गांधी की रणनीति प्रारंभिक कांग्रेसी नेताओं से अलग थी उन्होंने राजनीति में आने से पहले एक वर्ष तक देश का व्यापक दौरा किया।

उन्होंने आंदोलनों का जनाधार बढ़ाने की रणनीति पर कार्य किया तथा कांग्रेस को अधिक से अधिक किसानों मजदूरों की ओर झुकाव का प्रयास किया।

गांधी द्वारा व्यापक जनाधार के लिए राजनैतिक - सामाजिक स्थितियों का उपयोग किया — जैसे-

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

1) किसानों की भागीदारी बढ़ाने हेतु - कृषकों की भागीदारी बढ़ाने हेतु गांधी जी ने उनकी समस्याओं को विस्तार से जाना तथा समय-समय पर उनके मुद्दों को भी उठाया।

(उदा० 1) चंपारण सत्याग्रह ने गांधीजी राष्ट्रव्यापी पहचान दिलाई तथा उन्हें किसानों के बीच लोकप्रिय बनाया।)

(2) खेड़ा सत्याग्रह, बारदोली सत्याग्रह, अवध किसान आंदोलन तथा दक्षिण में मोपला कृषक आंदोलन को समर्थन)

(2) मजदूरों - गांधी जी ने कांग्रेस को मजदूरों के करीब लाने के लिए उनके मुद्दों की वकालत की

(उदा० अहमदाबाद मिल मजदूरों की मांगों का समर्थन, 1918 में प्रथम मिल ट्रेड्स एसोसिएशन का नेतृत्व)

(3) मुस्लिम भागीदारी बढ़ाने हेतु - 1906 से ही मुस्लिम लीग की स्थापना के पश्चात से ही मुसलमान राष्ट्रीय आंदोलन से दूर रह रहे थे।

दृष्टि The Vision

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

किन्तु गांधी जी ने 1918 में खिलाफत के मुद्दे का समर्थन किया तथा उसे राष्ट्रव्यापी मुद्दा घोषित करके मुस्लिम समुदाय को राष्ट्रीय आंदोलन की धारा से जोड़ा, हालांकि यह एकता अस्थाई साबित हुई।

छात्रों, वकीलों, बुद्धिजीवियों का समर्थन :- गांधी जी ने असहयोग आंदोलन के दौरान समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़ने का कार्य किया। उन्होंने राष्ट्रवादी धारा में छात्रों, बुद्धिजीवी, मध्यमवर्ग, वकील, डॉक्टरों को पर्याप्त जगह दी।

अन्य सामाजिक-राजनीतिक कारक

- ब्रिटिश शासन की उपस्थिति
- सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलनों का प्रभाव
- शिक्षित भारतीयों की राजनैतिक भागीदारी की महत्वाकांक्षा आदि।

गांधी जी रणनीति व विचारधारा पूर्व के आंदोलनकारियों से भिन्न

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

रणनीति — कांग्रेस को मजदूरों व किसानों के नजदीक ले जाना
→ समझौता - संघर्ष - समझौता से लोगों का उत्साह बनाए रखना तथा कुछ मांगों की सफलता पर आत्म करने का मौका देना
(उदा० चंपारण नीलखेती आंदोलन,)
→ लोगों को कांग्रेस के मंच पर विचार रखने का मौका देना

गांधीजी की विचारधारा — गांधी न तो क्रांतिकारियों की रणनीति से संतुष्ट थे न ही समाजवादियों तथा उदारवादियों की प्रकृति से। उन्होंने भारतीय जनता के समक्ष सत्याग्रह, अहिंसा, सविनयअवज्ञा का आदर्श रखा। तथा अहिंसात्मक तरीके से आंदोलन चलाने की प्रेरणा दी। जिससे ब्रिटिशर्स द्वारा किसी भी आंदोलन का हथियारों से हिंसात्मक दमन करना आसान नहीं होगी।

इतिहासकार शाहिदअमीन "गांधी एज महात्मा" में लिखते हैं कि राष्ट्रवादी आंदोलन का जनाधार गांधी के आगमन से बढ़ा था। लोग उनके चरित्रपूर्ण जीवन में विश्वास करते थे। इनकी समझौता-संघर्ष-समझौता की रणनीति ने जनांदोलनों को सफलता दिलाई।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) भारत में साइमन कमीशन के राजनीतिक निहितार्थ एवं इसके प्रति राष्ट्रवादी प्रतिक्रिया का आकलन कीजिये। इस प्रतिक्रिया ने स्वतंत्रता संग्राम में भावी घटनाओं को कैसे आकार दिया? 15

Assess the political implications and the nationalist response to the Simon Commission in India. How did this response shape subsequent events in the struggle for independence? 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

1919 के एक्ट के तहत भारतीयों को स्वराज्य/शासन की समीक्षा हेतु ब्रिटिश सरकार ने 1928 में साइमन एक्ट पारित कर एक आयोग भारतीयों की शासन क्षमता के अध्ययन हेतु भारत भेजा था। जिसके दूरगामी परिणाम हुए। जवाहर लाल नेहरू ने इसे राष्ट्रीय अपमान कहकर अस्वीकार किया था। क्योंकि इसमें एक भी भारतीय को शामिल नहीं किया गया था।

साइमन कमीशन के राजनीतिक निहितार्थ

1) भारतीयों की होमरूल की मांग स्वीकार

2). संवैधानिक सरकार के मानकों की संभावना हेतु साइमन कमीशन द्वारा भारतीयों की क्षमता को अस्वीकार करना

↳ तीव्र प्रतिक्रिया भारतीय नेताओं में

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

3). साइमन की प्रतिक्रिया स्वरूप, नेहरू कमीशन का गठन

4) — नेहरू कमीशन ने नागरिक अधिकारों की बात की

5) जिन्ना द्वारा 14 सूत्रीय प्रतिक्रिया

6) मुस्लिम लीग तथा जिन्नाह द्वारा नेहरू रिपोर्ट की अस्वीकार्यता ने उन्हें कांग्रेस से दूर कर दिया। इनका राजनैतिक परिणाम दूरगामी हुए।
↓ सम्प्रदायवाद (ताकतों को बल मिला
7) → ब्रिटिश सरकार फूट डालने में सफल

साइमन आयोग के प्रति भारतीयों की प्रतिक्रिया —

1) कांग्रेस ने इसे भारतीयों का अपमान कहा

2). जिन्ना व मुस्लिम लीग ने मुस्लिमों के लिए भेदभावपूर्ण माना

3). देशव्यापी विरोध प्रदर्शन
↓
इसी प्रदर्शन के दौरान → लाला लाजपतराय की लाठी की चोट से मृत्यु

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

4) — लाला लाजपतराय की मृत्यु के उपरांत क्रांतिकारी गतिविधियों में तीव्रता
(उदा० - सांडर्स की हत्या।)

स्वतंत्रता संग्राम की घटनाओं को आकार दिया

1) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का विरोध तेज
↓
(2 साल बाद सविनय अवज्ञा आंदोलन)

2) जिन्ना व मुस्लिम लीग ने साम्प्रदायिक हितों की रक्षा हेतु → अलग रास्ता तैयार किया

3). क्रांतिकारी घटनाओं में तीव्रता
(उदा० - HSRA का गठन, भगतसिंह द्वारा असेम्बली कांड, बंगाल में मास्टर सूर्यसेन की चटगांव लूट)

अतः साइमन कमीशन ने भारतीय आंदोलनकारियों का अपमान किया तथा उन्हें अपने ही देश में शासन करने लायक नहीं समझा। जिससे तीव्र विरोध हुआ व राष्ट्रीय आंदोलन की गतिविधियां तेज हुईं। जिन्होंने सविनय अवज्ञा, भारत छोड़ो आंदोलन का मार्ग प्रशस्त किया।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) खिलाफत आंदोलन एक 'दोधारी तलवार' था। आंदोलन की दोहरी प्रकृति और हिंदू-मुस्लिम संबंधों पर इसके प्रभाव का विश्लेषण कीजिये। 15

Khilafat Movement was a 'double-edged sword'. Analyze the dual nature of the movement and its impact on Hindu-Muslim relations. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

प्रथम विश्व युद्ध के पश्चात ब्रिटिश द्वारा मुस्लिम जगत के खलीफा का अपमान किया जाने की प्रतिक्रिया भारतीय मुसलमानों द्वारा भी व्यक्त की गई। 1919 में भारत में खिलाफत आंदोलन की शुरुआत हुई। अली भाइयों तथा गांधी जी द्वारा हिन्दू मुस्लिम एकता स्थापित करने हेतु आंदोलन का समर्थन किया गया।

खिलाफत आंदोलन दोधारी तलवार के रूप में :

सकारात्मक पक्ष :

1. व्यापक हिंदू-मुस्लिम एकता जो इसके बाद कभी राष्ट्रीय आंदोलन में देखने को नहीं मिली

2. → मुस्लिम नेताओं द्वारा असहयोग आंदोलन का समर्थन

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

(3) मुस्लिम ~~नेतिकों~~, वकीलों द्वारा अन्य नेताओं के आह्वान पर सरकारी सेवाओं से त्यागपत्र व निर्वाचनबहिष्कार

4). आंदोलन को व्यापक जनाधार दिया

नकारात्मक पक्ष -

→ खिलाफत मुद्दे को अपनाने से राष्ट्रवादी मुद्दा बनाने तथा उसे कांग्रेस के घोषणा पत्र के विपरीत प्रचारित किये जाने से हिंदू - मुस्लिम अलगाव की राजनीति को प्रोत्साहन

→ सुमित सरकार इसे सांस्कृतिक अलगाव व विभाजनकारी राजनीति का पोषक मानते हैं जिसे राष्ट्रवादी हितों को ताक पर रखकर ~~सोचा~~ गया था।

→ खिलाफत मुद्दे के समाप्त हो जाने के बाद, क्षणिक हिन्दू - मुस्लिम एकता को दूर तक नहीं बनाया रखा जा सका। ब्रिटिश सरकार निरंतर फूट डालने की तुष्टीकरण की राजनीति करती रही।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हिंदू-मुस्लिम संबंधों पर प्रभाव

- आरंभिक समय में एकता देखने को मिली
  ↓
  उदा० (मुस्लिम नेताओं ने गाय वध को मनाही की तथा मुस्लिम सैनिकों को ब्रिटिश सेना छोड़ने की सलाह)
→ राष्ट्रीय आंदोलन में सक्रिय भागीदारी देखी गई।
→ हिंदू-मुस्लिम कृषकों ने मिलकर शोषणकारी जमींदारों पर हमले किए
  (उदा० असहयोग आंदोलन के दौरान अवध में)
→ चौरी-चौरा घटना में हिंदू-मुस्लिम एकजुटता

अतः खिलाफत आंदोलन भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में एक परिवर्तनकारी घटना रहती है जिसने अस्थायी एकता को प्रदर्शित कर साम्राज्यवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी किंतु आगे चलकर इस खिलाफत के मुद्दे ने साम्प्रदायिक ताकतों को मजबूत किया

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

8. (a) उस परिस्थिति का परीक्षण कीजिये जिसके कारण तीसरा मैसूर युद्ध हुआ। 20

Examine the circumstance which led to the third Mysore War. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

तृतीय मैसूर युद्ध 1792 में अंग्रेजों व टीपू सुल्तान के मध्य लड़ा गया था। इस युद्ध के पृष्ठभूमि ब्रिटिश साम्राज्यवादी नीतियों में निहित थी।

इसी युद्ध के परिणाम स्वरूप विलियम व्हिग ने कहा था कि हैदर साम्राज्य बनाने हेतु पैदा हुआ था तो टीपू उसे खोने हेतु।

तृतीय मैसूर युद्ध के कारण

1) अंग्रेजी महत्वाकांक्षा तथा विस्तारवादी हित

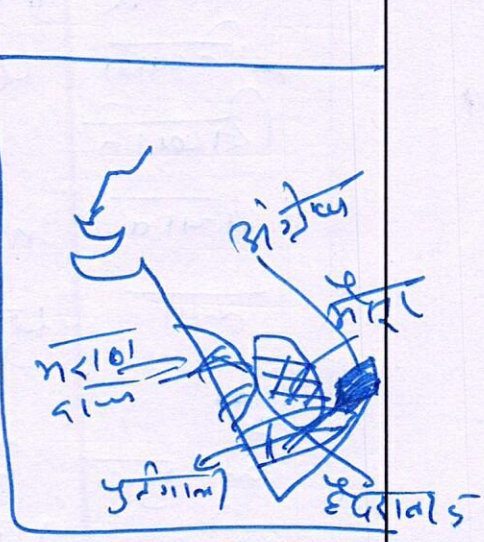

2) टीपू की अपने पिता द्वारा मद्रास संधि के तहत खोये हुए क्षेत्रों की प्राप्ति करना

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

3). मराठा व हैदराबाद के निज़ाम द्वारा टीपू को धोखा देना तथा अंग्रेजों को साथ संधि करना।

उपर्युक्त कारणों की पृष्ठभूमि ने तीसरा मैसूर युद्ध लड़ा गया। टीपू ने निज़ाम पर आक्रमण करके उसके सबक सिखाने का प्रयास किया जिसके जवाब में अंग्रेजी सेना आ गयी तथा युद्ध प्रारंभ हो गया। मराठा भी अंग्रेजों के युद्ध में शामिल हो गया। क्योंकि उन्हें जीते हुए गुंटूर, आंध्र आदि क्षेत्रों को देने का वायदा किया गया था।

अतः युद्ध के परिणाम बहादुर टीपू के विपरीत रहे तथा श्रीरंगपट्टनम की संधि द्वारा युद्ध का अंत हुआ जिसमे गुंटूर का क्षेत्र निज़ाम को मिला तथा आंध्र का अंग्रेजों को मराठों को इतने कुछ नहीं मिला।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

समीक्षा - (1) तृतीय मैसूर युद्ध बहादुर टीपू की महत्वकांक्षा तथा अंग्रेजों की साम्राज्य विस्तार का परिणाम था। जिसमें अंग्रेजों ने अपनी कूटनीति से मैसूर के सहयोगी ~~मैसूर~~ मराठा व हैदराबाद को अलग-थलग कर दिया

(2) टीपू ने फ्रांस तथा अन्य स्वतंत्र देशों से ~~व~~ मदद मांगी थी किन्तु उसे समय से मदद नहीं मिली। जिस कारण वह संधि हेतु मजबूर हुआ

अतः मैसूर राज्य दक्षिण भारत में अंग्रेजों के विरुद्ध प्रमुख शक्ति थी। अंग्रेज टीपू को अपना खतरनाक शत्रु मानते थे क्योंकि वह आधुनिक ज्ञान से परिपूर्ण था।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

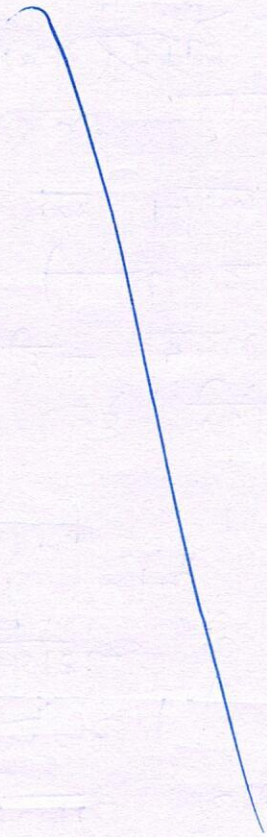

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) वैचारिक विभेद और क्षेत्रीय विविधता वर्ष 1857 के विद्रोह की विफलता का कारण बनी। टिप्पणी कीजिये। 15

Ideological disunity and regional heterogeneity precipitated the collapse of the revolt of 1857. Comment. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1857 की क्रांति को नेहरू, बेंजामिन डिजरायली तथा वीर सावरकर ने प्रथम राष्ट्रीय आंदोलन की संज्ञा दी थी जिसने EIC (1757-1857) के 100 वर्षीय ब्रिटिश शासन की नींव हिला दी थी।

1857 की असफलता के अनेकों कारण थे जिनमें वैचारिक मतभेद, क्षेत्रीय विविधता, सैन्य कमजोरियां तथा कमजोर नेतृत्व व रणनीति का अभाव प्रमुख था।

वैचारिक विभेद असफलता के कारण थे:

→ आंदोलन की शुरुआत तय समय पर न होना

→ समाज में वैचारिक मतभेद तथा सीमित जनाधार

→ शिक्षित बुद्धिजीवियों का तटस्थ दृष्टिकोण

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ हिंदू-मुस्लिम एकता का अभाव

→ पंजाबी सिखों द्वारा हिंदू सैनिकों के नेतृत्व तथा क्रांति की सफलता होने पर सिखों के शोषण का डर

→ जमींदारों का अंग्रेजी साम्राज्य के प्रति स्वामीभक्ति

→ मुगल बादशाह का नेतृत्व स्वीकार किया जाए या ना किया जाए (उदा॰ कानपुर के पेशवा ने अधीनता दर्शायी बाद में स्वीकार)

क्षेत्रीय विविधता

→ कदाचित मुखर्जी ने आंदोलन की विफलता में क्षेत्रीय विविधता को प्रमुख माना
⇓
आंदोलन मात्र मुगल, अवध के सिपाही

→ सीमित प्रसार → दक्षिण, पश्चिम, पंजाब आदि क्षेत्र ~~आंदोलन~~ क्रांति से अप्रभावित

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अतः सभी प्रकार के स्थानीय विद्रोह का प्रारम्भ न होना विद्रोह की असफलता का प्रमुख कारण माना गया। जिस कारण विद्रोही क्षेत्रों को अंग्रेजों द्वारा पुनः जीतना आसान हुआ तथा उन्होंने आसानी से विद्रोह का दमन किया।

विपिन चन्द्र महोदय का तर्क है कि क्रांति एक साथ, सम्पूर्ण भारत में फैली होती तो 1857 की क्रांति ने ही ब्रिटिश शासन उखाड़ा जा सकता था।

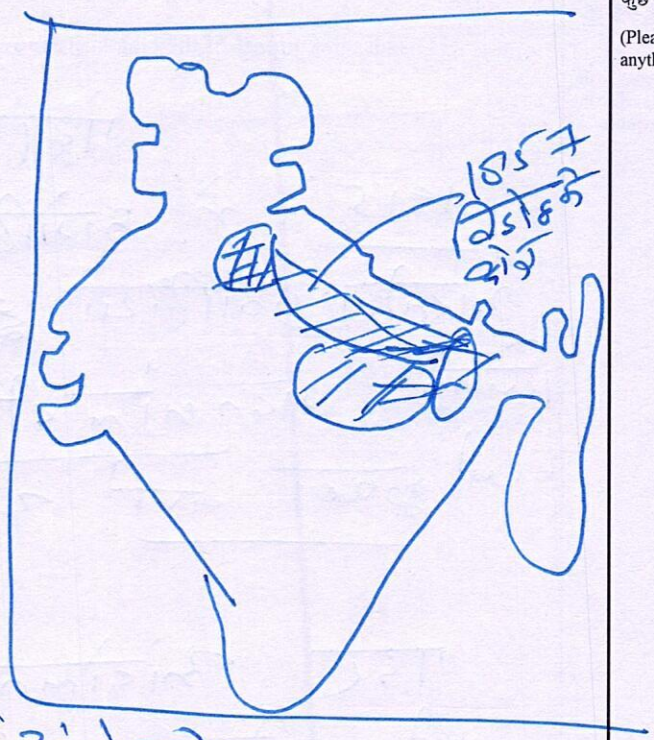

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) भारत में क्रांतिकारियों पर गदरवादी आंदोलन के प्रभाव की चर्चा कीजिये। 15

Discuss the impact of the Ghadarite movement on the revolutionaries in India. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

गदर आंदोलन की शुरुआत 1915 में अमेरिका में रह रहे भारतीय प्रवासियों द्वारा की गई थी जिनमें मदनलाल ढींगरा, मोहनलाल, श्याम जी कृष्ण वर्मा आदि नेता प्रमुख थे।

गदर आंदोलनकारियों की रणनीति थी कि प्रवासी भारतीयों को एकत्रित कर एक संगठित सेना बनाकर भारत पर आक्रमण करके आज़ाद कराया जा सकता है जिसकी शुरुआत पंजाब से होनी थी। अतः कोमागाटा मारू प्रकरण तथा प्रथम विश्वयुद्ध शुरू हो जाने से यह आंदोलन शुरू नहीं किया जा सका।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अतः इस आंदोलन का क्रांतिकारियों पर व्यापक प्रभाव हुआ —

→ क्रांतिकारियों ने पंजाब, हरियाणा दिल्ली के आस-पास के क्षेत्रों में लूटपाट शुरू कर दी तथा जमींदारों व अंग्रेजी ठिकानों को अपना निशाना बनाया

→ क्रांतिकारियों ने HSRA संगठन से जुड़कर घटनाओं को अंजाम दिया

- पंजाब में भारत नौजवान सभा, मातृशक्ति, भारत माता जैसे संगठनों को प्रोत्साहन मिला

अतः क्रांतिकारी अपने व्यक्तिगत प्रयासों, साहस, वीरता से आजादी दिलाने का प्रयास करने लगे। गदर आंदोलन की विफलता ने इन्हें निरुत्साह कर

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

दिया जिसने यह हिंसक क्रांतिकारी
गतिविधियों की ओर अग्रसर हुए
देश के विभिन्न क्षेत्रों में इन क्रांतिकारियों ने
संगठन तैयार किया तथा युवाओं
को भर्ती किया।

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

Copyright – Drishti The Vision Foundation

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

इतिहास
(वैकल्पिक विषय)
टेस्ट-3

DTVF / OPT-24 H-2403

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time Allowed: Three Hours*	अधिकतम अंक : 250 *Maximum Marks : 250*

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी एवं अंग्रेज़ी** भाषा में मुद्रित हैं।*

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

*प्रश्न संख्या 1 और 5 **अनिवार्य** हैं तथा बाकी में से **प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न** चुनकर किन्हीं **तीन प्रश्नों** के **उत्तर** दीजिये।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

*प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं** मिलेंगे।*

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशत: दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

Copyright – Drishti The Vision Foundation